प्रार्थना- अपने प्रभु और गुरु

हे परम पिता परमात्मा,
हे सर्व सुख दाता,
हे गुरुवर, हे जगत पालक
हे परम उपकारी माता-पिता
मुझे इतनी शक्ति, इतनी समझ,
इतना साहस, इतना आत्मबल,
इतना धैर्य प्रदान करें कि
आप मेरे से जितना चाहते हैं,
जैसा चाहते हैं वैसा कार्य
मैं भले ही ना कर सकूं
पर जो आप नहीं चाहते,
जिससे आपका दिल दुःखता हो,
जिससे आपका सिर झुकता हो
वह अनुचित कार्य मेरे द्वारा कभी ना हो,
ना ही उस कार्य को करने में
उत्साह दिखाऊँ और ना ही
ऐसे कार्य का समर्थन सहयोग करूँ।

आपकी
अनमोल धरोहर
अपनी बेटी